पत्रांक– 5338 न०वि०एवंआ०वि०

बिहार सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

चैतन्य प्रसाद,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

नगर आयुक्त,
नगर निगम, पूर्णियाँ।

पटना, दिनांक 18/8/16

विषय :– **माह जुलाई 2016 की मासिक समीक्षा टिप्पणी के संबंध में।**

महाशय,

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा आपके कार्यों की मासिक समीक्षा की जा रही है। माह जुलाई तक प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा से निम्न तथ्य विदित होते हैं :–

1. चतुर्थ राज्य वित्त आयोग :–

(i) चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 406.77 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में **कोई भी** राशि विमुक्त **नहीं** हुई है। कुल उपलब्ध 406.77 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 130.19 लाख रूपये है, जो मात्र 32.01 प्रतिशत है। स्पष्टतः आपकी **उपलब्धि *निराशाजनक*** है।

2. 13वें वित्त आयोग :–

(i) 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 84.51 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 84.51 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 36.85 लाख रूपये है, जो मात्र 43.60 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को 2 योजनाएं लंबित थी। वर्ष 2016–17 में अब तक **कोई भी** योजनाएं **नहीं** ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 2 योजनाओं में से **अभी तक** 1 योजनाएं पूर्ण हुई है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***असंतोषजनक*** है।

3. 14 वें वित्त आयोग:-

14 एवं वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 544.63 लाख रूपये उपलब्ध थे | वर्ष 2016-17 में 440.47 लाख रूपये विमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 985.10 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 44.76 लाख रुपये हैं ,जो की 4.54 प्रतिशत है | स्पष्टत: आपकी उपलब्धि अत्यन्त निराशाजनक है |

4. **राज्य योजना** :–

(i) **राज्य योजना** अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में **544.42** लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। । कुल उपलब्ध 544.42 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 7.02 **लाख रूपये** है। जो मात्र 1.29 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को 5 योजनाएं लंबित थी। वर्ष 2016–17 में अब तक 13 योजनाएं ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 18 योजनाओं में से अभी तक 1 योजनाएं पूर्ण हुई है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***अत्यंत निराशाजनक*** है।

5.पंचम वित्त आयोग:- 14 एवं वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 1153.30 लाख रूपये उपलब्ध थे | वर्ष 2016-17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 1153.30 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 9.42 लाख रुपये हैं, जो की 0.82 प्रतिशत है| स्पष्टत: आपकी उपलब्धि अत्यन्त निराशाजनक है |

6**. पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (BRGF)** :–

(i) पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में **54.64** लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में **को 0.00 लाख रुपये विमुक्त हुई है** । कुल उपलब्ध **54.64** लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 6.37 लाख रूपये है, जो मात्र 11.66 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2015 को **कोई** योजनाएं लंबित **नहीं** थी। वर्ष 2015–16 में अब तक **कोई भी योजनाएं नहीं** ली गयी है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि अत्यंत ***निराशाजनक*** है।

7.**ठोस अवशिष्ट प्रबंधन** :–

(i) आपके शहर में कुल 46 वार्ड हैं, जिसमें से **अभी तक** 3 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य हो रहा है।

(ii) सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन वांछित संख्या में मशीनों का क्रय नहीं किया गया है। शहर में कार्यरत सफाई कर्मियों की ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमिट्रिक हाजिरी व्यवस्था करने का निर्देश

दिया गया है, इसका अनुपालन अप्राप्त है। ठोस अवशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन एवं निष्पादन के लिए की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन अपेक्षित है।

8. **<u>मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान</u>** :- **मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान योजना के** अंतर्गत दिनांक 01.04. 2015 को आपके नगर निकाय में 0.00 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 324.35 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 324.35 **लाख** रूपये संसाधनों में से **दूरभाष** पर **प्राप्त सूचना के अनुसार** अद्यतन व्यय 68.64 **लाख रुपये है |**

9. **<u>उपयोगिता प्रमाण पत्र</u>** :– आपके निकाय के विरूद्व वित्तीय वर्श 2003–04 से 2014–15 तक की अवधि **में** कुल 13727.77 **लाख की राशि विभाग द्वारा आवंटित की गयी थी जिसके आलोक में** अभी तक कुल 10001.74 लाख रूपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र **जमा की गयी है और** 1560.04 लाख **की राशि अभी तक समायोजित के लिए लंबित हैं। लंबित राशि का उपयोगिता** प्रमाण पत्र अगले 7 दिनों के अंदर **विभाग में जमा करें | य| आवंटन अप्राप्त होने के कारण दिए गये** कुल 7590.36 **लाख की सूची में से** 2661.79 **लाख** का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया गया है।(नगर निकाय पत्रांक 01(Camp) दिनांक <u>22.09.14 द्वारा सूचनार्थ।)</u>
नगर निकाय के पत्रांक 1374 दिनांक 06.06.2015 के द्वारा कुल 580.79 लाख की राशि के आवंटन का कोषागार द्वारा प्रमाणित कर अनिकासी प्रमाण पत्र विभाग को प्राप्त एवं विभागीय पत्रांक 2945 दिनांक 26.06.15 के द्वारा AG में समायोजन हेतु भेजा गया है | जिसके विरूद्व कुल 495.80 लाख का समायोजन किया गया है।

10. <u>नगर सेवा प्रबंधन</u> :– आपके शहर से संबंधित इस वित्तीय वर्ष में हेल्पलाईन के माध्यम से 72 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 40 का निराकरण किया गया है, एवं 32 लंबित हैं। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***असंतोषजनक*** है।

11. **<u>होल्डिंग टैक्स</u>** :– माह जुलाई 2016 का **मासिक** संग्रहण 50.88 लाख रूपये है, जो **की** वित्तीय **वर्ष** की औसत मासिक संग्रहण 27.45 लाख रूपये से 25.03 प्रतिशत **अत्यधिक** है। **चालू वित्तीय वर्ष का वार्षिक औसत मासिक संग्रह** 34.32 **है |** दिनांक 01.04.2015 को होल्डिंग की संख्या 39310 थी एवं अद्यतन तिथि तक 39534 होल्डिंग ही है। होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रहे।

12. **<u>अन्य स्रोतों से कर</u>** :–

अन्य स्रोतों से कर वसूली 44.13 लाख रूपये है, जिसमें सुधार लाने का प्रयास करें।

13. **स्वच्छ भारत मिशन** :— स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में दिए गए कुल लक्ष्य 2097 एवं वित्तीय वर्ष 2016-17 में दिए गए कुल लक्ष्य 4194 अथार्त कुल लक्ष्य 6291 के विरुद्ध आपके निकाय में 382 व्यक्तिगत शौचालय एवं 2 सामूहिक शौचालय का निर्माण किया गया है। इस पर जोर दिया जाय।

14. **पी०एल०खाता:-** दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय के पी० एल० खाते में 4680.07 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 969.64 लाख राशि विमुक्त की गई है। इस प्रकार कुल उपलब्ध 5649.71 लाख की राशि में से 1202.54 लाख मात्र राशि का भुगतान किया गया है। शेष 4447.17 लाख की अव्यवहृत अंतिम राशि (Closing Balance) अभी भी मौजूद है जो अत्यंत ही बड़ी राशि है।

निर्देश दिया जाता है कि इस मासिक समीक्षा टिप्पणी में अंकित तथ्यों पर लिखित अनुपालन प्रतिवेदन पत्र निर्गत होने के तीन सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित किया जाय। इस मासिक समीक्षा टिप्पणी को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही आपके द्वारा समर्पित किये जा रहे मासिक समीक्षा टिप्पणी का अनुपालन प्रतिवेदन भी वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

विश्वासभाजन

11/8/2016

(चैतन्य प्रसाद),
प्रधान सचिव

Letter 01 (14.05.15)

DK